विज्ञान वर्ग

III

वर्ष 2020

# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

| परीक्षा का विषय | विषय कोड | परीक्षा का माध्यम |
|---|---|---|
| हिन्दी | 0 0 1 | हिन्दी |

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH

सरल क्रमांक 320 -

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

| - | 2 | 0 | 1 | 2 | 2 | 7 | 5 | 5 | 1 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

शब्दों में

| - | दो | शून्य | एक | दो | दो | सात | पाँच | पाँच | एक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में × शब्दों में ×

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 06

ग :– परीक्षा का दिनांक 02 03 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा

केन्द्राध्यक्ष
केन्द्र क्रमांक
122014

| पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर | केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर |
|---|---|
| 2/3/2020 | |

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|
| 1 | |
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई है लो क्राफ्ट स्टीकर ... पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि ... निर्धारित मुद्रा : नाम ... म, मोबाईल ... एं। ... एवं निर्धा...

9450242

"हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

प्राप्तांक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - 1

(i) (ब) महादेवी वर्मा

(ii) (अ) कबीरदास

(ब) सुजान

(ब) बसन्त गीत

(v) (ब) पाइन के जंगल मे

उत्तरक्रमांक - 2

(अ) छायावाद

(ब) श्रीकृष्ण

(स) जलशोधन

(द) तीन

(ई) गणेशशंकर विद्यार्थी

पृष्ठ के अंक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - 3

(1) असत्य

(2) सत्य

(3) असत्य

(4) असत्य

(5) सत्य

B
S
E

उत्तरक्रमांक - 4

(अ) सभी विपत्तियों को हरते हैं - (iii) गणेश जी

(ब) व्यंग्य की प्रधानता - (vi) नई कविता

(स) मध्यम वर्गीय परिवार की समस्या - (i) नये मेहमान

(द) कंस की बहन - (ii) देवकी

(इ) गाय करुणा की कहानी है - (iv) महात्मा गांधी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - 5

(अ) मथुरा से योग सिखाने श्रीकृष्ण के मित्र उद्धव जी ब्रज क्षेत्र मे आए थे।

(ब) भय साध्य और असाध्य दो रूपो मे हमारे सामने आता है।

(स) अन्योक्ति अलंकार होता है।

(द) प्रयोगवाद का प्रारंभ सन् 1943 से 1950 तक माना जाता है।

(इ) बंसत प्रसन्नता एवं माधुर्यता का भाव लेकर आता है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL, BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL, BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH BHOPAL, BOARD OF SEC

उत्तरक्रमांक - 6

जिस वेश से स्वामी श्रीकृष्ण रीझेंगे, मीरा वही वेश धारण करना चाहती थी।

उत्तरक्रमांक - 7

चातक अपनी बोली के द्वारा विरही हृदय को चोट पहुंचा रहा है। इसलिए कवि ने उसे घातक कहकर सम्बोधित किया है।

उत्तरक्रमांक - 8 (अथवा)

शाश्विक आतंक से तात्पर्य थोड़ी देर के लिए आए भय से है।

उत्तरक्रमांक - 9 (अथवा)

फूल और मालिन दोनों यौवन ढलने पर मुरझा जाएंगे।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

## उत्तरक्रमांक -10

बसन्त के आने पर जंगल हर्षित होता हुए दिखाते दे रहे हैं, चारों तरफ नया उत्कर्ष हो रहा है, भौंरे गुंजार रहे हैं, समीर धीरे-2 बहने लगती है एवं धरती का आंचल धान की सुनहरी बालियों से लहराने लगा है।

B S E

## उत्तरक्रमांक -11 (अथवा)

~~पटरियों पर~~
पटरी पर रेल के पहियों की खट्-खट् ही गजाधर बाबू के लिए मधुर संगीत था।

## उत्तरक्रमांक -12

बिना हवादार छोटा-सा घर होने के कारण रेवती अपने घर को जेल खाना कहती है।

## उत्तरक्रमांक -13 (अथवा)

"मुझसे बड़ा तो मेरा नाम है" ऐसा लेखक ने इसलिए कहा है कि जहां वे नहीं पहुंच पाते हैं

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

वहां उनका नाम पहुंच जाता है, नाम ने अनेक बड़े व्यक्तियों से लेखक का परिचय कराया। लेखक कहते हैं कि जब भी मैं नए आदमी से मिलने जाता हूं तो नाम मुझसे कहता है 'आप जरा रुकिए मै अभी आया" तो वह तुरन्त ही सूक्ष्म रूप धारण कर कार्यालय मे बैठे व्यक्तियों के कान मे पता नही क्या है कहता कि वे तुरन्त ही मुझे बुलाते हैं।

उत्तरक्रमांक -14 (अथवा)

गौरा के लेखिका के घर आने से पहले घर के लिए दूध ग्वाले से ही लिया जाता था। किन्तु गौरा के दूध देना प्रारम्भ करने से ग्वाले की बिक्री रुक गई। ईर्ष्यावश वश ग्वाले ने भोजन के समय गुड़ मे लपेटकर सुई गौरा को खिला दी जिससे गाय मर जाए और उसकी दूध की बिक्री फिर से शुरू हो सके।

उत्तरक्रमांक -15

(i) सरोवर मे पानी भरा है।

(ii) कश्मीर का सौन्दर्य मनमोहक है।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक -16

रौद्र रस की परिभाषा -
" सहृदय के हृदय मे स्थित 'क्रोध' नामक स्थाई भाव का जब विभाव अनुभाव एंव संचारी भाव से संयोग होता हैं तो से रौद्र रस कहते कहते है।

उदाहरण -
" श्रीकृष्ण के सुन वचन, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर, करतल युगल मलने लगे।।
संसार देखे अब हमारे शत्रु, रण मे मृत पड़े।
करते हुए यह घोषणा, वे हो गए उठकर खड़े।।"

B
S
E

उत्तरक्रमांक -17

गणेश शंकर विद्यार्थी के व्यक्तित्व की विशेषताए -
(1) अत्यन्त सरल, त्यागी, धन और वैभव से दूर।
(2) उनके समस्त व्यक्तित्व मे ओज एंव प्राणो मे कुलिश की कठोरता ही थी
(3) साधारण मध्यम परिवार से जन्मे गणेश शंकर विद्यार्थी परिवारिक चिन्ताओ से मुक्त नही थे, उनमे उमंग तथा उत्साह था, महत्वकांक्षाए थी।

योग पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

## उत्तरक्रमांक -18

भाव विस्तार -

"धर्म पार्थक्य नही एकता का द्योतक है।"

धर्म ही एक ऐसा तत्व है। जो मनुष्य को पशुओ से भिन्न बनाता है। धर्म का पालन करना मनुष्य का कर्त्तव्य है। संसार मे अनेक धर्म है। प्रत्येक धर्म जीवन की राह पर चलना सिखाता है, इहलोक और परलोक दोनो धर्म से संधते है। धर्म का उद्देश्य मानवता का प्रचार-प्रसार करना है। ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार आदि अवगुणो से धर्म ही हमारी रक्षा करता है। संसार के सभी धर्म हमे एकता के सूत्र मे जोड़ते है। कहा भी गया है। मजहब नही सिखाता है, आपस मे बैर रखना है। अतः यह कथन सत्य है। धर्म पार्थक्य का नही, वह तो एकता को स्थापित करने वाला मानदण्ड है।

## उत्तरक्रमांक -19

श्लेष अलंकार की परिभाषा -

श्लेष ~~अलंकार~~ का अर्थ है। चिपका हुआ अर्थात् जहां किसी शब्द के एक से अधिक अर्थ निकले वहा श्लेष अलंकार होता है

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
B
S
E

उदाहरण –

" रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती, मानस, चून।।"

यहाँ पानी के तीन अर्थ हैं – कान्ति, ज्वाला एवं आत्मसम्मान

## उत्तरक्रमांक – 20

प्रगतिवाद की विशेषता

(1) शोषितो से सहानुभूति।
(2) आर्थिक व समाजिक समानता पर बल।

| कवि | रचना |
|---|---|
| नागार्जुन | युगाधार |
| शिवमंगल सिंह 'सुमन' | हिल्लोल |

## उत्तरक्रमांक – 21 (अथवा)

नाटक और एकांकी मे अन्तर

| नाटक | एकांकी |
|---|---|
| (1) नाटक मे अनेक अंक होते हैं। | (1) एकांकी एक अंक होता है। |

प्रश्न क्र.

| | |
|---|---|
| (2) नाटक मे पात्रो की संख्या अधिक होती है। | (2) एकांकी मे पात्रो की संख्या नाटक की अपेक्षा कम होती है। |
| (3) नाटक मे अधिकारिक कथावस्तु के साथ-2 अनेक प्रसांगिक कथाए होती है। | (3) एकांकी मे मूल कथा (अधिकारिक) ही होती है। |
| (4) नाटक मे देश, काल और घरना तत्थो पर ध्यान नही दिया जाता है। | (4) एकांकी मे संकलनत्रय पर विशेष ध्यान दिया जाता है। |

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

उत्तरक्रमांक -22 (अथवा)

(जयशंकर प्रसाद)

(अ) रचनाएँ - लहर, कामायनी

(ब) भावपक्ष -

प्रसादजी ने भारतीय अतीत के गौरवपूर्ण रूप को अपने साहित्य मे उभारा है। उनका साहित्य शक्ति और ओज का साहित्य है। इनसे उत्साह, उमंग एव आलोक है। प्रेम, करुणा सौन्दर्य की स्निग्ध आभा है उनके काव्य मे प्राकृतिक छवियो के साथ ही प्राकृतिक प्रतीको का अतुल सौन्दर्य है।

कलापक्ष -

उनकी भाषा सहज एव सरल है। काव्य मे सौन्दर्य है। रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, आदि अलंकारो के साथ ही प्रकृति मे सफल प्रयोग उन्होने किए है। उनकी रचनाओ मे भावपक्ष एव कलापक्ष दोनो का सन्तुलन है।

(स) साहित्य मे स्थान - हिन्दी मे छायावादी काव्य को प्रतिष्ठित करने वाले साहित्यकारो मे प्रसाद जी का प्रमुख स्थान है। काव्य के अतिरिक्त नाटक, उपन्यास, कहानी मे भी उनका विशेष योगदान है।

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - 23

'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल'

(अ) दो रचनाए -
विचारवीथी, चिन्तामणि

(ब) भाषा-शैली -
शुक्ल जी की भाषा अत्यन्त प्रौढ एवं साहित्यक खड़ी बोली है। इनकी भाषा मे व्यर्थ का शब्दाम्बार नही मिलती है। उनकी शैली मे भारतीय पाश्चात्य शैलियो का समन्वय है। फिर भी उन्होने इससे हटते हुए अपनी शैली को अपनाया है। उनकी शैली समास के रूप मे प्रारम्भ होकर व्यास के रूप मे समाप्त होती है। अर्थात् एक विचार को सूत्र के रूप मे कहकर फिर उसकी व्याख्या कर देते है।

(स) साहित्य मे स्थान -
शुक्ल जी हिन्दी साहित्य के श्रेष्ट आलोचक इतिहासकार एवं निबन्धकार के रूप मे याद किए जाते है। इनकी विलक्षण प्रतिभा के कारण ही इनके समकालीन हिन्दी गद्य के काल को शुक्ल युग के नाम से जाना जाता है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - २५

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्वाति' के "अमृतवाणी" नाम पाठ से लिया गया है। इसके रचयिता कबीरदास जी है।

प्रसंग - इसमे बताया गया है कि समय सभी का आता है। अतः दुर्बल मानकर किसी को सताना नही चाहिए तथा इसमे शरीर के कारण होने वाले अहंकार के प्रति सावधान भी किया जाता है। गया

व्याख्या - मिट्टी कुम्हार से कहती है कि आज तू मुझे अपने पैरो के नीच रौंद रहा है, कल वह समय आएगा जब मैं तुझे अपने पैरो रौंदूगी अर्थात् मृत्यु के बाद मनुष्य का ट्टी का चोला मिट्टी मे ही मिल जाता है। बीरदास जी कहते है कि यह शरीर तो कच्चे के समान है कही पर समय की एक बूंद क्का) लग गई हो तो यह फूट जाएगा और ारे हाथ कुछ नही लगेगा सब व्यर्थ ही ला जाएगा।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तरक्रमांक - 25

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्वाति' के "तिमिर गेह मे किरण -आचरण" से लिया गया है। इसके लेखक डॉ. श्यामसुन्दर दुबे है।

प्रसंग - यहाँ लेखक जीवन मे छिपे हुए सृजन के प्रकाश के महत्व को समझा रहे हैं।

व्याख्या - लेखक कहता है कि असली प्रकाश तो मनुष्य के जीवन मे छिपा हुआ है जिसे मनुष्य सारे संसार को प्रकाशित कर सकता है। मनुष्य का आचरण, उत्तम हो वह श्रमशील एंव विवेकशील हो इन सद्गुणों से बड़े - से बड़ा अंधकार छट जाता है। सारा संसार आलोकित हो उठता है। वह संसार मे प्रकाश का झरना बहा देता है। गेहूं एंव जौं के पीले पौधे क्या संदेश नही देते कि जिस हमने प्रकाश फैलाया तुम भी प्रकाश फैलाओ अंधकार से डरो मत, आगे बढो निर्माण की ~~सत~~ श्रृंखला अंधेरे बन्द कमरे मे भी नही रुकती है। वह अंधेरे कमरे मे भी नही रुकती है। गेहू की जीजीविषा देखिए वह अंधेरे बन्द कमरे मे भी विकास के सोपान गढता है।

B
S
E

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

"उत्तरक्रमांक - 26"

(अ) उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक "कर्मठता" है।

(ब) सही श्रम वही है जो परिणाम देता है।

(स)

सारांश –

कर्मठता तो अभिलाषा एवं सतत् प्रयत्न के समन्वित स्वरूप का नाम है। सही श्रम वही कहलाता है। जो कुछ ठोस परिणाम देता है। जिस देश में कर्मठता का जितना प्रतिशत होता है, वह देश तदनुकूल ही प्रगति अथवा अवनति करता है। शिक्षण का सही उद्देश्य देश में ऐसे कर्मठ जनों का निर्माण करना है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

उत्तरक्रमांक - 27

'उत्तरपुस्तिका के पुनर्गणना हेतु आवेदन-पत्र'

सेवा मे,
श्रीमान् सचिव महोदय,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल
भोपाल (म.प्र)

विषय - अंग्रेजी विषय की उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना हेतु आवेदन-पत्र।

महोदय -

सविनय निवेदन है कि मैंने माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10 वी की परीक्षा सन् 2018 मे उत्तीर्ण की थी अंग्रेजी विषय के प्राप्तांक देखकर मुझे आश्चर्य हुआ। स्वमूल्यांकन के आधार पर मेरे अंक 20 से अधिक होने चाहिए अभी मेरे अंक कुल 58.5 प्रतिशत हैं। अतः आपसे निवेदन है। कि इस सम्बन्ध मे उचित कार्यवाही गंभीरता पूर्वक करने की कृपा करे। मेरा विवरण इस प्रकार हैं।

नाम - सतीश मीना　　　　अनुक्रमांक - 12345678
पिता का नाम - श्री हरिओम मीना　　कक्षा - 10 वी
संलग्न - बैंक ड्राफ्ट क्रमांक 98057/2-3-2020
पता - 149, सुदामा नगर, इन्दौर

दिनांक - 02-03-2020

भवदीय
सतीश मीना

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

## उत्तरक्रमांक - 28

(अ)

(iv) "विज्ञान और मानव जीवन"

"सावधान मनुज्ञ की, विज्ञान का उपहार
है सुवासित प्रगति सुरभि से, चतुर्दिक विज्ञान"

रूपरेखा -

(1) प्रस्तावना
(2) विज्ञान: एक वरदान
(3) स्वास्थ्य
(4) कृषि तथा उद्योग
(5) शिक्षा तथा मनोरंजन
(6) विज्ञान : एक अभिशाप
(7) उपसंहार

BSE

(1) प्रस्तावना -

पृथ्वी पर मानव से पहले से पदार्पण किया है। तब से लेकर आज तक विज्ञान के क्षेत्र जो प्रगति हुई है। उसे देखकर हम आश्चर्यचकित है। आज के युग को वैज्ञानिक युग की संज्ञा दी गई। चारो ओर विज्ञान का अधिपत्य है। आज प्रकृति विज्ञान की दासी बन गई है। आज मानव परमाणु युग में प्रवेश कर चुका है। आज हमारे भोजन, कपड़े, मकान सभी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

मे बदलाव आ गया प्राचीन आरवेट युग और आज के युग मे जमीन आसमान का अन्तर आ गया है। समस्त सृष्टि यंत्रो की भाति विज्ञान के संकेत पर कार्य कर रहे है।

(2) विज्ञान एक वरदान —

विज्ञान के द्वारा बड़ी से बड़ी और छोटी से छोटी नित्य प्रति आवश्यकताओ की पूर्ति की जा रही है। विज्ञान के द्वारा अनेक यातायान के साधन सुलभ हो गए है। आज मनुष्य पक्षियो की भाति वायु मे उड़ रहा है। साइकिल, मोटर-साइकिल, स्कूटर, कार, रेल आदि के द्वारा यातायान के साधन सुलभ हो गए टेलीफोन, टेलीग्राम, मोबाइल फोन द्वारा मनुष्य हजारो मील दूर बैठे अपने मित्र व सम्बन्धी से वार्तालाप कर सकता है, टेली-ग्राम से संदेश भेज सकता है। विज्ञान के द्वारा दुनिया सिकुड़कर छोटी हो गई है। विज्ञान ने हमारी शिक्षा, संस्कृति पर विशेष प्रभाव डाला है।

(3) स्वास्थ्य —

विज्ञान के द्वारा स्वास्थ्य चिकित्सा के क्षेत्र के क्षेत्र मे आश्चर्य जनक लाभ हुआ है। विज्ञान के द्वारा मनुष्य के शरीर

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

की भीतर की बीमारियो पर काबू लिया गया है। आज हमे हेजा, चेचक और प्लेग आदि से भयभीत होने की आवश्यकता है। एक्स-रे मशीन के माध्यम से अज्ञात रोगो को पता लगा लिया गया है। आज केंसर जैसा भयानक रोग भी असाध्य नही रह गया है।

(4) कृषि और उद्योग —

कृषि और उद्योग मे भी विज्ञान ने अत्याधिक सहायता की है। ट्रेक्टर, नलकूप, वेज्ञानिक खाद आदि अनेक वस्तुओ का निर्माण किया गया है जिससे कृषि की आश्चर्यजनक उन्नति हुई ऐसे-ऐसे यत्रो का अविष्कार हो चुका है। जिससे मानव के श्रम और समय दोनो की बचत हुई बीज और कीटनाशक दवाओ का भी अविष्कार किया गया है।

(5) शिक्षा तथा मनोरंजन —

शिक्षा तथा मनोरंजन के क्षेत्र मे आशातीत प्रगति हुई है पूर्व मे गुरु शिष्य को शिक्षा दिया क करता था परन्तु आज पुस्तको, पत्र-पत्रिकाओ, टेलीफोन इंटरनेट, कम्प्यूटर, रेडियो आदि द्वारा सम्भव हो गई सिनेमा के क्षेत्र मे क्षेत्र ऐसे प्रयास किए गए है जहा मनुष्य

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उपवन का दृश्य आने पर फूलों की सुगन्ध भी प्रतीत होने लगे।

(6) विज्ञान : एक अभिशाप –

विज्ञान ने जहाँ हमको कई सुविधाएँ दी हैं। वह दूसरी ओर विज्ञान की कुछ उपलब्धियां मानव जाति के लिए अभिशाप बन गई आज ऐसे-2 शस्त्रों का निर्माण हो चुका है। जो कुछ ही क्षणों में लाखों में व्यक्ति लाशों के रूप में परिवर्तित हो सकते हैं। अणु बम और हाइड्रोजन बम ऐसे ही विनाशकारी शस्त्र हैं जापान में हिरोशिमा तथा नागासिमा का विध्वंश अभी तक भूल नहीं पाए हैं। आज संसार मृत्यु के कगार पर खड़ा है। विज्ञान के द्वारा बड़ी-2 मशीनों और कारखानों के द्वारा उत्पादन अवश्य बढ़ा है। विज्ञान ने भौतिकवादी तथा विलासिता बढ़ाई है।

( ) उपसंहार –

आज विज्ञान का उपयोग मनुष्य नहीं। विज्ञान के दुरुपयोग द्वारा मनुष्य नाना प्रकार की समस्या उत्पन्न करता है। विज्ञान के द्वारा भौतिक वादी तथा विलासिता भी बढ़ी है। आज आवश्यकता इस बात की है। मनुष्य विज्ञान का उपयोग जनहित में करे, विनाश में नहीं

+ = 
अंक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ब)

रूपरेखा

(i) दहेज प्रथा

प्रस्तावना
1. प्राचीनकाल मे दहेज का स्वरूप
2.
3. दहेज एक कुप्रथा
4. दहेज कुप्रथा के दुष्परिणाम
5. दहेज उन्मूलन अभियान
6. समाधान
7. उपसंहार

B